CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 28 ▫ अंक- 159 ▫ रायपुर, गुरुवार 3 जुलाई 2025 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

बादल फटने के बाद 56 लोग अभी लापता, मरने वालों की संख्या 19 पहुंची, 370 को सुरक्षित बचाया

बद्रीनाथ राजमार्ग अवरुद्ध

नई दिल्ली, 3 जुलाई (न्यूज चैनल)। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से हुई तबाही में मरने वालों की संख्या 19 हो गई है। मंडी जिले में लापता लोग 34 से बढ़कर 56 हो गए हैं। इनमें सर्वाधिक 46 लोग सराज क्षेत्र के हैं। थुनाग में आठ, गोहर में छह लोगों की मौत, करसोग में एक की मौत, कांगड़ा में दो, नादौन और जोगिंद्रनगर में एक-एक जान गई है। 370 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। इधर बद्रीनाथ राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंडी के प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद रेस्क्यू और आपदा राहत के लिए वायुसेना की मदद मांगी है। सराज के थुनाग में 16, पखरैर में 18, जरोल में 7, चिऊणी में 4 और पांडवशीला में एक व्यक्ति लापता है। गोहर उपमंडल के स्यांज और बाड़ा परवाड़ा में छह लोगों की मौत हुई हैं जबकि आठ लापता हैं। करसोग उपमंडल में एक की मौत हुई है। जबकि दो लोग लापता हैं। बादल फटने और भूस्खलन के चलते थुनाग और जंजैहली उपमंडल में सड़कें ध्वस्त हो गई हैं। कई क्षेत्रों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्रशासन की टीमें राहत एवं बचाव कार्यों में लगी हैं।

बागेश्वर धाम में बड़ा हादसा, पंडाल का हिस्सा गिरने से एक श्रद्धालु की मौत, आठ घायल

नई दिल्ली, 3 जुलाई (न्यूज चैनल)। छतरपुर बागेश्वर धाम में गुरुवार सुबह पंडाल का एक हिस्सा गिरने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल बताए गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि बारिश और आंधी के चलते ये हादसा हुआ। हादसा सुबह 7 बजे आरती के बाद हुआ। लोहे का एंगल गिरने की वजह से श्रद्धालु के सिर पर चोट लगी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आरती के दौरान बारिश हो रही थी। इसी समय भारी भीड़ जमा हो गई। बारिश से बचने के लिए लोग शेड के नीचे पहुंचे थे। मृतक का नाम श्यामलाल कौशल है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

घायल राजेश ने बताया कि उनके ससुर लाला श्यामलाल कौशल की इस हादसे में मौत हो गई है। वहीं परिवार के 6 लोग घायल हुए हैं। घायलों में पत्नी सौम्या, बच्ची पारुल, बच्ची उन्नति, पड़ोसी आर्यन, कमला हैं। इनको अस्पताल में भर्ती किया गया है। उन्होंने बताया कि हम लोगों को दर्शन के लिए जाना था पानी गिरने लगा तो भागकर पंडाल के नीचे खड़े हो गए और जब पानी बंद हो गया तभी अचानक पंडाल गिर गया और भगदड़ मच गई। हम लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई है। यहां पंडाल में तकरीबन 15 से 20 लोग नीचे दब गए तो वहां मौजूद लोगों ने उन्हें बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि बड़े पापा के सिर में लोहे का पाइप लग गया, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। बता दें कि कथा वाचक बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री चार जुलाई को अपना जन्मदिन बागेश्वर धाम में मनाने वाले हैं। इसको लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ बागेश्वर धाम पहुंची हुई है। आयोजन के लिए बागेश्वर धाम को भव्य रूप से सजाया गया है। एक से तीन जुलाई तक बालाजी का दिव्य दरबार यहां लगाया जा रहा है।

दिल्ली-अमेरिका फ्लाइट में आयी दिक्कत, वियना में तकनीकी खराबी के कारण उड़ान रद्द, यात्रियों को उतारा गया

नई दिल्ली, 3 जुलाई (न्यूज चैनल)। नई दिल्ली से वाशिंगटन जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट ऑस्ट्रिया के वियना में ईंधन भरने के लिए रुकी, लेकिन वहां से उड़ान नहीं भरी। ढ्ढ103 के स्नद्यद्बद्दद्धह्लह्डद्बस्रड्डह्24 डेटा से पता चलता है कि इसने 2 जुलाई को दिल्ली से उड़ान भरी और वियना में उतरी। जबकि उसी दिन वाशिंगटन के लिए प्रस्थान निर्धारित था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने समाचार एजेंसी ह्द्ब के हवाले से कहा, 2 जुलाई को दिल्ली से वाशिंगटन, डीसी जाने वाली फ्लाइट ढ्ढ103 ने वियना में ईंधन भरने के लिए एक नियोजित स्टॉप बनाया। नियमित विमान जांच के दौरान, एक विस्तारित रखरखाव कार्य की पहचान की गई, जिसे अगली उड़ान से पहले सुधार की आवश्यकता थी और इस प्रकार, पूरा होने के लिए अतिरिक्त समय चाहिए था। इसके कारण, वियना से वाशिंगटन, डीसी तक की उड़ान रद्द कर दी गई और यात्रियों को उतार दिया गया। यात्रियों को विमान से उतार दिया गया। व्यवधान ने वाशिंगटन से दिल्ली के लिए वियना के रास्ते वापसी सेवा को भी प्रभावित किया, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया। एयर इंडिया ने कहा कि प्रभावित यात्रियों को वैकल्पिक उड़ानों में फिर से बुक किया गया है या उन्हें पूरा रिफंड दिया गया है।

ब्रेकिंग न्यूज

21 जुलाई से 21 अगस्त तक चलेगा संसद का मानसून सत्र, 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली, 3 जुलाई (न्यूज चैनल) ।संसद का आगामी मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त, 2025 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें 13 और 14 अगस्त को दो दिवसीय अंतराल होगा। वहीं, किरेन रिजिजू ने आज बताया कि संसद के मानसून सत्र को लेकर केंद्र सरकार ने 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है और 21 अगस्त तक चलेगा। किरेन रिजिजू ने बुधवार शाम को एक पोस्ट के माध्यम से संशोधित कार्यक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सत्र को आगे बढ़ाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

16 घंटे तक महिला को सेलून में बंधक बनाकर की दरिंदगी

रायपुर/धरसींवा, 3 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक सनसनीखेज दुष्कर्म का मामला सामने आया है, जिसने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया है। काम का झांसा देकर एक मजदूर महिला को घर बुलाया गया, जहां उसके साथ छेड़छाड़ की गई, जब वह अपनी आबरू बचाकर वहां से भागी और मदद के लिए सेलून गई तो वहां इंसान के शकल में बैठा दरिंदा उसे 16 घंटे तक बंधक बनाया और दुष्कर्म किया। पीड़िता ने अपने साथ हुई दरिंदगी की शिकायत पुलिस से की। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा मामला धरसींवा इलाके का है। जानकारी के अनुसार, 30 जून को रायपुर के आसपास से सांकरा निवासी शिव घृतलहरे नाम के व्यक्ति ने एक गरीब मजदूर महिला को काम दिलाने का झांसा देकर अपने साथ ऑटो से सांकरा ले गया। घर पहुंचने पर शिव ने उसके साथ छेड़छाड़ और जबरदस्ती करने की कोशिश की। किसी तरह खुद को बचाकर महिला पास की खुशी हेयर ड्रेसर की दुकान में मदद की गुहार लगाने पहुंची, लेकिन दुकान संचालक योगेश सेन ने मदद करने के बजाय महिला को अंदर बुलाकर शटर बंद कर दिया और मोबाइल छीन लिया।

चूहा- सुनती हो, हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट नहीं लगाने पर कार्रवाई शुरू हो गई है।
चुहिया- हां जी, अब साइकिल के दिन आने वाले हैं..!

रावतपुरा संस्थान मान्यता मामला

निदेशक सहित 6 लोग सीबीआई रिमांड पर

रायपुर, 3 जुलाई (हाईवे चैनल)। श्री रावतपुरा सरकार आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान को मान्यता दिलाने के नाम पर रिश्वत लेने के मामले गिरफ्तार छह आरोपियों को सीबीआई के स्पेशल कोर्ट ने 5 दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया. आरोपियों में डॉ. मंजुप्पा सीएन, डॉ चैत्रा (एमएस), डॉ अशोक शैलके, रावतपुरा सरकार के निदेशक अतुल कुमार, सतीश और रविचंद्र शामिल हैं. बता दें कि मेडिकल कॉलेजों में मान्यता दिलाने के एवज में मोटी वसूली करने के मामले में सीबीआई ने एक दिन पहले ही छत्तीसगढ़ समेत मध्यप्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, दिल्ली में 40 से अधिक ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की थी. गिरफ्तार किए गए छह आरोपियों में से 3 मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से संबद्ध डॉक्टर हैं. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कॉलेज की मान्यता के नाम पर पहले भी 1 करोड़ 62 लाख रुपए की राशि की डील हुई थी. जिसकी शिकायत 2024 में की गई थी. इसके बाद अब 55 लाख रुपए की लेन-देन का मामला सामनें आया है. बेंगलुरु के दो डॉक्टरों के पास हवाला के जरिए पैसा पहुंचा था. रविंद्र और सतीश ने केवल पैसा हासिल किया था।

सीबीआई द्वारा अदालत के समक्ष पेश दस्तावेजों में बताया गया कि अध्यक्ष रविशंकर जी महाराज के कहने पर श्री रावतपुरा सरकार आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान (स्त्रङ्घस्त्र) आगामी आधिकारिक निरीक्षण के बारे में गोपनीय और अग्रिम जानकारी प्राप्त करने की साजिश में शामिल था. इसके लिए संस्थान के निदेशक अतुल कुमार तिवारी ने गीतांजलि विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान के रजिस्ट्रार मयूर रावल के साथ मिलीभगत करके गैरकानूनी तरीके से ऐसी विशेषाधिकार प्राप्त जानकारी हासिल करने की कोशिश की. यह भी आरोप लगाया गया है कि मयूर रावल ने गोपनीय निरीक्षण से संबंधित विवरण का खुलासा करने के बदले में 25-30 लाख रुपये की रिश्वत मांगी. 26 जून 2025 को रावल ने तिवारी को 30 जून 2025 को निर्धारित निरीक्षण की तैयारी करने के लिए सूचित किया था. इसके अलावा रावल ने तिवारी को नामित निरीक्षण दल के सदस्यों के नाम भी बता दिए, जिससे आधिकारिक गोपनीयता भंग हुई और इस तरह के निरीक्षणों को नियंत्रित करने वाले वैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन हुआ।

यह भी आरोप लगाया गया है कि मयूर रावल द्वारा सूचित एनएमसी द्वारा नामित 4 मूल्यांकनकर्ताओं वाली निरीक्षण टीम 30 जून 2025 को एसआरआईएमएसआर, रायपुर में निरीक्षण के लिए पहुंची. निरीक्षण दल के सभी 4 सदस्यों ने एसआरआईएमएसआर के निदेशक अतुल कुमार तिवारी के साथ साजिश रची और एक अनुकूल निरीक्षण रिपोर्ट जारी करने के लिए रिश्वत लेने पर सहमत हुए. निरीक्षण दल के सदस्यों में शामिल कर्नाटक के मंड्या स्थित मंड्या इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के ऑर्थोपेडिक्स डिपार्टमेंड की हेड और प्रोफेसर डॉ. मंजुप्पा सीएन ने सतीश को बताया कि हवाला ऑपरेटर से उसे फोन आएगा कि रकम कैसे एकत्र की जानी है. इसके साथ डॉ. मंजुप्पा ने निरीक्षण दल की एक अन्य सदस्य डॉ. चैत्रा से भी बातकर बताया कि उसका हिस्सा सतीश द्वारा उसके निवास पर पहुंचाया जाएगा या कोई इसे सतीश से एकत्र कर सकता है. यह लेन-देन 30 जून को ही होने की संभावना थी। मामला दर्ज होने के बाद सीबीआई ने बैंगलोर में जाल बिछाया और 55 लाख रुपए की रिश्वत की रकम बरामद की गई. रिश्वत की कुल रकम में से 16.62 लाख रुपए आरोपी डॉ. चैत्रा के पति रविचंद्र से और 38.38 रुपए आरोपी डॉ. मंजुप्पा के सहयोगी सतीश से बरामद किए गए. जांच के दौरान आरोपी डॉ. मंजुप्पा सीएन, डॉ. चैत्रा एमएस, डॉ. अशोक शेलके और एसआरआईएमएसआर के डायरेक्टर अतुल कुमार तिवारी को एक जुलाई को रायपुर से गिरफ्तार किया गया है. वहीं रविचंद्र और सतीश को बैंगलोर से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर रायपुर लाया गया है. सीबीआई के वकील ने विशेष अदालत को बताया कि विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली गई है, और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

3 हत्याओं के आरोपी दामाद की अपील खारिज, उम्रकैद की सजा बरकरार

बिलासपुर, 3 जुलाई (हाईवे चैनल)। उरला क्षेत्र के ग्राम बाना में विधवा महिला और उसके दो मासूम बेटों की निर्मम हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा पाए आरोपी की अपील को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है. यह फैसला चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की खंडपीठ ने सुनाया। मामला अक्टूबर 2019 का है, जब आरोपी चंद्रकांत निषाद ने खुद ही पुलिस को सूचना दी थी कि ग्राम बाना में उसकी सास दुलौरिन बाई (विधवा) और उनके दो बेटे सोनू निषाद व संजय निषाद की मौत हो गई है. सूचना पर उरला थाना प्रभारी मनीष सिंह परिहार ने तीन अलग-अलग मर्ग कायम कर जांच शुरू की. जांच में यह सामने आया कि 9-10 अक्टूबर की दरम्यानी रात तीनों की हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए शवों को खाट पर लिटाकर जलाने की कोशिश की गई, ताकि यह आगजनी का हादसा प्रतीत हो. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि तीनों के सिर पर किसी भारी वस्तु से वार कर उनकी हत्या की गई थी. तफ्तीश के दौरान पता चला कि घटना की रात आरोपी चंद्रकांत मृतकों के साथ ही मौजूद था. पूछताछ में उसने कबूल किया कि पहले उसने लाठी से दुलौरिन बाई पर वार कर उनकी हत्या की और बच्चों के जागने पर उन्हें भी मार डाला. बाद में शव जलाने की कोशिश की. आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लाठी, खून लगा टी-शर्ट और अन्य साक्ष्य बरामद किए गए। सत्र न्यायालय ने चंद्रकांत निषाद को तीनों हत्याओं के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई थी. इसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट में अपील की, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया. सुनवाई के दौरान एक गवाह ने बयान दिया कि आरोपी पुलिस में था और वर्दी में भी मृतक के घर अक्सर आता-जाता था. आरोपी मृतक परिवार का दामाद था. कोर्ट ने कहा कि अभियुक्त के खिलाफ परिस्थितियों की श्रृंखला पूरी तरह सिद्ध है, बरामदगी भी विधिवत साबित हुई है और मृतकों के साथ अंतिम बार देखे जाने की स्थिति में आरोपी द्वारा कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण न देना उसके बचाव के लिए घातक है.

कलेक्टर ने देर से ऑफिस पहुंचने वाले कर्मचारियों को पकड़वाया कान

कवर्धा, 3 जुलाई (हाईवे चैनल)। सरकारी कार्यालयों में अनुशासन और समय की पाबंदी को लेकर कवर्धा कलेक्टर गोपाल वर्मा अब पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। गुरुवार सुबह उन्होंने अचानक निरीक्षण अभियान की शुरुआत की और सबसे पहले जिला पंचायत कार्यालय पहुंचे। जहां कई कर्मचारी निर्धारित समय के बाद भी गैरहाज़िर थे। जिसके बाद कलेक्टर खुद कार्यालय के मुख्य द्वार पर कुर्सी लगाकर बैठ गए और जैसे ही देरी से आने वाले कर्मचारी अंदर घुसने लगे, उन्हें वहीं रोक लिया गया।

इस दौरान कलेक्टर वर्मा ने तय समय के बाद पहुंच रहे कर्मचारियों को कार्यालय के भीतर आने से रोकते हुए उनसे कारण पूछा। कुछ कर्मचारी शर्मिंदगी में मुंह छुपाते नजर आए, तो कुछ ने सार्वजनिक रूप से कान पकड़कर माफी मांगी और भविष्य में समय का पालन करने का वादा किया। कलेक्टर गोपाल वर्मा का औचक निरीक्षण यहीं नहीं थमा। इसके बाद वे जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने मरीजों से सीधी बातचीत कर स्वास्थ्य सुविधाओं का फीडबैक लिया। इसके बाद कलेक्टर स्वामी करपात्री शासकीय विद्यालय पहुंचे और वहां भी स्टाफ की उपस्थिति जांची। साथ ही बच्चों से पढ़ाई-लिखाई को लेकर प्रश्न पूछे।

कलेक्टर की चेतावनी- कलेक्टर वर्मा ने साफ शब्दों में कहा कि जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में इस तरह के अकस्मात निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे। जो कर्मचारी समय की अनदेखी करेंगे, उनके खिलाफ कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई तय है।

32.150 टीएमसी क्षमता वाले गंगरेल बांध में वर्तमान में है मात्र 7.665 टीएमसी उपयोगी पानी

गंगरेल बांध में पानी की आवक नही बांध के कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश का इंतजार

धमतरी 3 जुलाई (हाईवे चैनल)। गंगरेल बांध प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा बांध है। जिसकी क्षमता 32.150 टीएमसी है। लेकिन वर्तमान में मात्र 7.665 टीएमसी उपयोगी पानी ही शेष है। ऐसे में इस मानसून बांध को लबालब होने अच्छी बारिश की आवश्यकता है।

गंगरेल बांध कंट्रोल रुम से मिली जानकारी के अनुसार सुबह 11 बजे की स्थिति में बांध में पानी की आवक नहीं थी। जबकि बांध से प्रतिसेंकड 400 क्यूसेक पानी एचआर केनाल में भिलाई के लिए छोड़ा जा रहा है। बांध में कुल पानी 12.786 टीएमसी है। जिसमें उपयोग पानी 7.665 टीएमसी है। बांध में वाटर लेवल 341.33 मीटर है। आज बांध के कैचमेंट एरिया में 30 मिली लीटर वर्षा दर्ज की गई है।

दुधावा, सोंढुर, माडमसिल्ली बांध में भी अच्छी वर्षा की जरुरत

जिले में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। ऐसे में विगत कुछ दिनों से रुक-रुक कर वर्षा हो रही है। जिससे दुधावा, सोंढुर, माडमसिल्ली बांध में कम मात्रा में ही सही लेकिन आवक शुरु हुई है। वर्तमान मे माडमसिल्ली बांध पूरी तरह खाली है। साथ ही सोंढुर व दुधावा बांध की स्थिति भी खराब है। ऐसे में उक्त बांधो को भी इस मानसून लबालब होने के लिए कैचमेंट एरिया में अच्छी वर्षा की आवश्यकता है।

CMYK